वर्तमान पर्यावरण परिदृष्य—एक विनम्र प्रयास-समाधान

0. उद्देश्य— **वर्तमान पर्यावरण परिदृष्य पर परस्पर चर्चा-परिचर्चा**

1. पर्यावरण अर्थात **जल, वायु, भूमि (स्थूल स्तर) और वातावरण (सूक्ष्म स्तर-आस्थाएँ, चिन्तन, भावनाएँ)**
2. वर्तमान प्रगति— **सच्चाई नकारें कैसे?**
3. वर्तमान प्रगति पर एक प्रश्न— **महत्ता ही नहीं सत्ता पर प्रश्नचिह्न?**
4. वर्तमान प्रगति की वस्तुस्थिति खुली आँखों से— **हमें पूर्वजों से क्या मिला? हमने अपने बच्चों को क्या दिया?**— 6E's – Empathy > Energy > Ecology > Environment > Epidemics > Economy crises
5. आश्चर्य इस बात का है— **आगे कुआँ पीछे खाई की स्थिति में आगे पग बढ़ाते नहीं बन रहा है।**
6. वर्तमान कार्यशैली—**फूटे घड़े में पानी - सम्पदाओं का सदुपयोग-भाव-संवेदनाओं का महत्त्व**
7. मौलिक कारण—**कर्मफल की व्यवस्था / बोए हुए को काटने की अकाट्य व्यवस्था - प्रत्यक्षवादी दृष्टिकोण - अनावश्यक संचय और अवांछनीय उपभोग - भोगवादी जीवनशैली**
8. वर्तमान दृष्टिकोण— **प्रत्यक्षवादी तत्त्वदर्शन ने ही मनुष्य को स्वेच्छाचारी बनने के लिए प्रोत्साहित**
9. वर्तमान समस्याओं की गहराई में उतरें—**वर्तमान स्थिति - कुएँ में नशा, रक्त कैंसर - अधिकाधिक उसका संचय और अपव्यय**
10. पू०गुरुसत्ता की भविष्यवाणी— **प्राकृतिक जीवन-नारी- महासतयुग- निर्वाह मात्र के अर्थ साधन**
11. समाधान?— **करो (बचो) या मरो - विचार बदलें या शरीर बदलें - अब स्रष्टा ही उसे संतुलन में साध और ढाल सकता है - नवयुग के अनुरूप मन:स्थितियाँ एवं परिस्थितियाँ**
12. समाधान किनसे-कैसे?—**घटनाक्रम तो दृश्यमान शरीरों द्वारा ही - करने की जिम्मेदारी आप लोगों की, - वह दैवी सत्ता भी सतत सक्रिय है**
13. समाधान के आधार—**वसुधैव कुटुम्बकम् - एक चौथी शक्ति है-भाव-संवेदना - माता जैसा वात्सल्य**
14. बस एक ही विकल्प—**हम बदलेंगे (तो)-युग बदलेगा - वर्तमान स्थिति - कुएँ में नशा, रक्त कैंसर - Bit by Bit & Byte by Byte change – Fusion reaction with love. - सब अपने और अपने को सबका**
15. समस्त समस्याओं का एकमात्र समाधान—**हमारी पू०गुरुसत्ता की जीवनशैली - हमारे जीवन से कुछ सीखें - जिससे जितना बन पड़े अनुकरण का, अनुगमन का प्रयास करें। यह नफे का सौदा है, घाटे का नहीं।**
16. कार्यशैली— **गायत्री और यज्ञ के तत्त्वदर्शन-तकनीकी के उपयोग से सतत-सम्बन्ध – सतत-प्रयास - ''बेटा, आने वाले समय में दुनिया अपनी समस्याओं का समाधान मेरे गीतों में और पूज्य गुरुजी के प्रवचनों (विचारों) में ढूँढ़ेगी।'' — वं० माताजी**

पथ्य / मार्गदर्शन – ग्रहण करना (स्थूल स्तर) + स्वीकारना + पचाना / धारण-आत्मसात करना (सूक्ष्म/मन स्तर - बुद्धि + भाव) – समझना = जानना + मानना

Acceptibility = Reception + Assimillation

भौतिक विज्ञानी **बढ़ते हुए प्रदूषण और तापमान** को भावी विनाश की पूर्व भूमिका बताते हैं।...P13-VPKAP

खतरा समस्त मानव जाति को और युगों-युगों का संचित संस्कृति को है।...P17-VPKAP

6E's— Empathy > Energy > Ecology > Environment > Epidemics > Economy crises
Empathy > Interacting “Mother Earth” as “Matter Earth”
Energy Imbalance > Accumulated energy equals 0.6 watt per square metre ie at least 400,000 Hirosima level atom bomb per day (James Hansen, Ex. head of NASA Goddard Institute, 2012 data)
Ecology > Extinction of 150-200 species per day.
Environment > climate.nasa.gov CO_2 level > 410.00 ppm
Epidemics > Continuously increasing health problems.
Economy > Total global debt is about $60 trillion in 2016.

Technology must include -

1. “**Mind over Mind**” effect-inspiration-control – ज्ञान-पक्ष - **गायत्री विज्ञान** – Software Management
2. “**Mind over Matter**” effect-inspiration-control – विज्ञान-पक्ष - **सावित्री विज्ञान** - Hardware Management - स्वामी विशुद्धानन्द जी
3. Help guidance / connection / interaction / collaboration with higher authority – power source – संरक्षण-मार्गदर्शन-प्रेरणा-सहयोग **भागवत-सत्ता, पू.गुरुसत्ता, ऋषि-सत्ता, उन्नत अंतरिक्षीय प्राणी**